

पत्रांक १०/९४-१२/२००२ फिटो- ५८७

ਮਾਨਵ ਰੰਗ ਵਿਭਾਗ, ਬਿਹਾਰ

七

ब्री एम० दारा
विश्वाष निदेशाकामाप्तिः ।

四

रायिव,
रेन्टल बोर्ड अॅफ रोकेन्डी एजेंट्स,
प्रिक्स केन्ट, कम्पनीटी रेन्टर, पीत बिहार
विकास मार्ग, नई दिल्ली-110092

ਪਟਨਾ, ਫਿਲੈ । - ।। - ।।

राज्य के निजी विद्यालयों को रोन्ट्रल बोर्ड ऑफ रोकेन्ट्री एजुकेशन, नई दिल्ली से सम्बद्धता हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र दिया करने के तैयार भैं।

४८५

निटेश नुगार उपर्युक्त विध्य की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुस
कहना है कि दिनांक 4.10.04 को निजी विद्यालयों को अनापत्ति प्रमाण-पत्र
निर्गत किए जाने के संबंध में उच्चस्तरीय रामिति की बैठक में राक्षाम्भति से लिए गए
निर्णय के आलोक में निम्नांकित निम्न विद्यालयों को रुपी०बी०एस०इ०, नई दिल्ली
से सम्बद्धता हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र इस शात्ति के साथ निर्गत करने का निर्णय
लिया गया कि उन्हें सम्बद्धता प्राप्त होने के बाद राज्य रारकार के विद्यालय के
शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मियों के रामकृष्ण पेतनार्दि का भूगतान विद्यालय के शिक्षक/
शिक्षकेतर कर्मियों को करना होगा तथा उन विद्यालयों में रुपी०बी०एस०इ०, बङ्गलर्कड़ी
मापटड के अनुरूप भवन में तदनुरूप विद्यार्थियों की संख्या निर्धारित करनी होगी:-

४ द्वारा

ପ୍ରକାଶକ

580

पटना, दिनांक ।-।।-०४

ज्ञापन 580 पटना, बिहार १-१-३४ प्रतिलिपि राष्ट्रीय शिक्षा उप निदेशक/
राष्ट्रीय शिक्षा पदाधिकारी/राष्ट्रीय शिक्षा उप निदेशक/
राष्ट्रीय शिक्षा पदाधिकारी/राष्ट्रीय विद्यालय के प्रधार्थ को सुवनाथ एवं
मारवाड़ कामार्थ प्रेषित ।

2- शैक्षिक जागरूकता को सनिश्चित करने हेतु विभाग द्वारा प्रतिवेद कम-से-कम एक विद्यालय के निरीक्षण किया जाएगा।

उ- निम्न संकेत परिस्थितियों में विद्युताय को नष्ट नहीं होता है:-
वापस लैने की कार्रवाई सरकार द्वारा की जा सकती है:-

एक विद्यालय द्वारा विद्यालय के शिक्षक/प्राक्तन कामयों का एक सरकार के विद्यालय के कमियों के समकक्ष वेतन एवं भत्ते आदि का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिथे वह भुगतान में अधिक विलम्ब किया जा रहा है,

१६। अनपत्ति प्राप्ति-पत्र के लिए समाप्त कागजात इव जावेदु वा प्राये जाने अथवा वास्तविक हीति से भिन्न होने पर,

इग्नै विद्युत्यात्य भै वित्तीय अनियमितता की जा रही है अथवा जरा भद्र के लिए राशि की व्यवस्था हो अक्षरा दूराए मट भै व्यय किया जा रहा है,

४३। विद्यालय शेति गतिविधि में संलग्न हो जा राज्य के ही रूप से सरकार द्वारा बनाएँ गई नियमों के चिरस्थ हो एवं शेति कार्रवाई की जा रही हो तिसके संलग्न के विभिन्न रोगायतों के बीच कटुता पैदा हो;

विजर्में संवेदन के विभिन्न रौपयाएँ । वायु कहुआ पद्धति, वा ०००वी०८८०इ० मापदण्ड के अनुरूप भवनम् में तीके अनुरूप विद्युताध्यिकों की रौप्याएँ निष्पत्ति नहीं किए जाते पर ।

卷之三

580

पटना, ५

1 - 11 -

प्रतिलिपि सचिव/निटेक्स क्रमादयोगक तथा ही/ निदेश, प्राचीनक १८८५
प्राचीनव तीराधन विभाग, विहार, पटना को सूचनारथ प्रेषित ।

441

ਚਿਹ੍ਨਾਂ ਨਿਦੇਸ਼ਕ ਮਾਰਗ

२०८ अक्टूबर १९७४

प्रतिलिपि प्राननीय मंत्री/राज्य मंत्री प्रधानमंत्री

गोपनीय विभाग, विहार, पटना के सूचनात् प्रक्षिप्त ।

रात्रिरथन नवकर्ता विमल, विहार, १०७

३०) गुरु गणेशाय विष्णु

विष्णु निदेशकम् १०६४

3c/11/14